Kirtu presents
#94
सविता भाभी
दोगुना मज़ा
कथाकार: डार्कमार्क
कलाकार: कोकोय
रंगकार: स्काईवाकर
www.kirtu.com

मैं एक छोटी बच्ची की तरह सोई!

ये अशोक
कहाँ है?

मुझे लगता है
कल रात एक सपना
नहीं था...

क्या तुम अलेक्स को
चोदना चाहती हो?

हाँ...
मैं बहुत समय से तुमसे ये सुन्ना चाहता था!
FOC
FOC
FOC

हे भगवान, मुझे आशा है इन्हे शक ना हो--
गुड मॉर्निंग, जानेमन!

क्या ये कोई चाल है?
इसे कहते है एक सेक्सी अभिनंदन!

तुम गुस्सा नहीं हो?

MMMM...

गुस्सा? कल रात जो तुमने जबरदस्त चुदाई की उसके बाद??

वैसे थोड़ा और मिल जाये तो शयद मैं कभी भी गुस्सा ना करू!

और हाँ, मैंने नाश्ता बना लिया है. देर हो रही है नहीं तो बिस्तर पे ही ले आता.

मैं तुम्हे ऑफिस जाके कॉल करता हूँ.
ठीक....है?
इन्हे हो क्या गया है?!?

इससे पहले अशोक
ने मेरे लिए कभी नाश्ता
नहीं बनाया...

कल रात आखिर अशोक को हो क्या गया था? कुछ समझ नहीं आ रहा!
TAP
TAP
TAP

बस अभी अशोक को काम के लिए जाते हुए देखा, तो...

कल रात की
पार्टी कैसी थी?
वो...
मजेदार थी

मज़ेदार?? क्या मुझे इस बात से चिंता करनी चाहिए की तुम तुम्हारे पति के तरफ आकर्षित हो रही हो?
क्या तुम्हे जलन हो रही है?

लगता है मुझे तुम्हे फिर से उत्तेजित करना पड़ेगा!

आह, अलेक्स। तुम्हारे छूने से मैं हर बार उत्तेजित हो जाती हूँ...
MMM

तुम जानते हो
की मैं तुम्हे मना नहीं
कर सकती...

इसलिए मैं इसे
करता रहता हूँ!
MMMM

DING
DONG
क्या हमारे पास जल्दी से चुदाई का वक्त है?

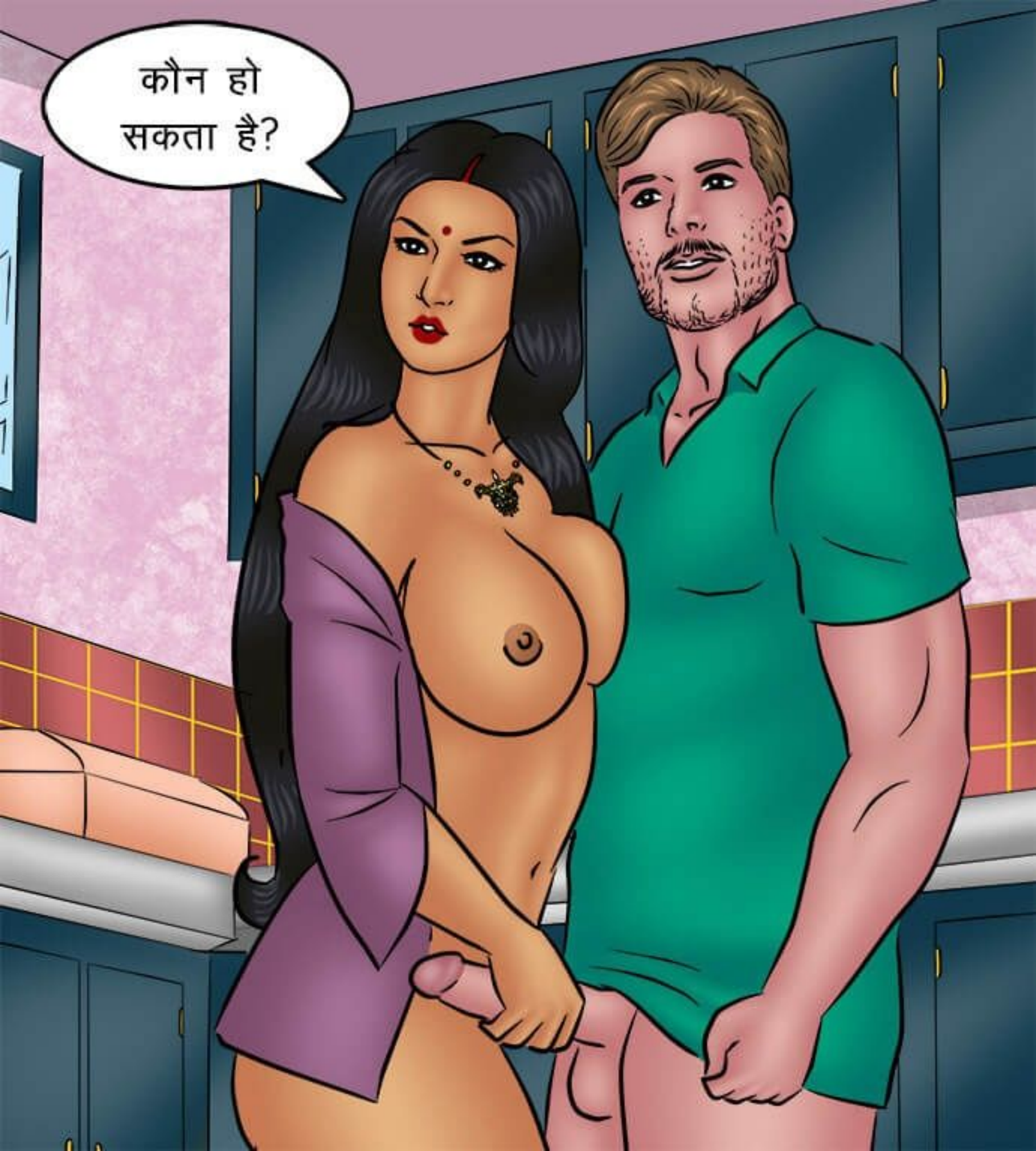
कौन हो सकता है?

इसे खड़ा ही रखना.
जो भी होगा मैं फटाफट
भगा दूंगी..

क्या तुम हमेशा एक रंडी की तरह कपडे पहन कर दरवाजा खोलती हो?

माँ?!?!?!

मेरा सामान बहार है, एक अच्छी बेटी की तरह ले आओ.

आपका सामान मैं ले आता हूँ, मैडम.

और
तुम कौन हो?
वो मेरा पार्टनर
अलेक्स है, माँ. अलेक्स
ये मेरी माँ है––

तो आखिर तुमने उस उल्लू अशोक को छोड़ ही दिया?
बिजनेस पार्टनर, माँ. हमारे रेस्टोरेंट का.

ओह्ह तो वो तुम हो जिसने मेरी बेटी पे तरस किया नौकरी से निकाल देने के बाद––
नहीं,नहीं। सविता ही सब कुछ देखती है––

मैंने नौकरी छोड़ी थी माँ. और...
आप यहाँ क्या कर रही हो वैसे?

जबसे
तुम्हारे पिता चल बसे
हैं मैं बहोत अकेली
पड गयी हूँ...

मैं इसबार भी दिवाली अकेली नहीं मनाना चाहती थी. मैं तुम्हारे लिए एक तस्वीर लायी हूँ, उनके लिए प्राथना करना...

पर दिवाली को अभी एक महीना है––
मुझे लगा तुम्हे मेरा साथ अच्छा लगेगा।

मुझे लगता है माँ. पर मैं अभी बिजी हूँ रेस्टोरेंट में––
आपकी बेटी से अलग, मुझे खुशी है आप यहाँ है मैडम। हलाकि मुझे अभी जाना होगा...

मैं जल्दी ही वापिस आऊंगा, ताकि आपको अच्छे से जान सकूँ!
MMM..
पर हो सकता है इस दोरान मैं आपको सविता और सविता को आप समझने की गलती कर दूं!

तुम दोनों बहनो से बाद में मिलता हूँ.
तुम्हे बाते बहुत अच्छी करनी आती है, हैंडसम!

तो, वो बिस्तर में कैसे है?
माँ!!

मैंने उसकी पैंट में उसका खड़ा लंड देखा था––
क–क्या? आप वो क्यों देख रही थी?

शर्त है, उसका घोड़े जैसा है--
आपकी जानकारी के लिए...

हाँ है! अलेक्स मेरा सबसे अच्छा प्रेमी है आज तक जितने भी रहे है.
DING DONG
मैं मर्दो को हमेशा एक किताब की तरह पढ़ सकती हूँ...

मैं दरवाजा खोलती हूँ.
तुम्हे पता है, अभी भी देर नहीं हुई है उसके साथ भागने में.

बहुत देर हो चुकी है. मैं खुसी से शादीसुदा हूँ.

चाचा जी?? अ–आप
यहाँ क्या कर रहे हो?

माफ करना, मेरा मतलब था
मैं बस आपका आना उम्मीद
नहीं कर रही थी.

तुम्हे देख के लगता है
तुम बस मुझे ही उम्मीद कर
रही थी. उस कपडे को उतरो
और झुक जाओ––

शरारती मत बनिए, चाचा जी! आपको मेरी माँ याद है?

हैल्लो, मेनका।
मेरे भतीजे ने मुझे दिवाली पे
आमंत्रित किया है.
उन्होंने किया?!? अशोक
ने मुझे इस बारे में कुछ
नहीं कहा.

उसके दिमाग से निकल गया होगा. हमारे घर के मर्दों के साथ होता रहता है...

हे भगवन, इन सारी
अचानक हुई घटनाओ के कारन मुझे
कपडे पहनने का वक्त ही नहीं मिला.

आप एक दूसरे से मिल क्यों नहीं लेते जब तक मैं साफ सफाई कर लेती हूँ.
क्या? ठीक से सुनाई नहीं दिया. क्या कहा उसने?

उसने कहा हमें एक दूसरे को पसंद करने का नाटक करना चाहिए
तुम मुझे पसंद नहीं करती?
मुझे नहीं लगता कोई भी करता है.

मुझे याद आया तुम बिलकुल आपकी चुदक्कड़ बेटी की तरह लगती हो!

तुम थकाऊ हो. लगता है
मैं गेस्ट बैडरूम ढूंढ के सोने
जा रही हूँ––
मेरा खड़ा लंड तुम्हारी गांड
में डालने के बाद हम एक साथ
सो सकते है––

कोशिश करना और तुम्हे तुम्हारा लंड कटा हुआ मिलेगा, बूढ़े बकरे!
लेकिन, लेकिन...

हे भगवन! कुछ पल तो मिले कल रात के बारे में सोचने को--
CRAAAASSSHHH!

क्या हुआ?
किसीने शीशा तोड़ दिया।

मुझे अच्छे से पता है किसने––
आवारा लोग है! मैं ठीक करती हूँ उन्हें!

तुम सविता को बोलना, वरुन! तुमने बॉल मारी थी.
पर वो मुझे ज्यादा पसंद करती है, तरुण. तुम बोलना उसे.
माफ करना, मंद भुद्धियों...

तुम दोनों जुड़वाँ में से किस का इतना दिमाग चला, यां दोनों ने मिल के किया है?
माफ करना, सविता! मेरे बेवकूफ भाई ने क्रिकेट बॉल से तुम्हारी खिड़की का शीशा तोड़ दिया---

ओह, नया लुक, सविता!
अच्छी लग रही हो.

बेहतर होगा मैं बाहर जाऊं और उन दोनों को माँ से बचाऊं

तो यहाँ पे क्या चल रहा है––
मुझे दोगुना दिख रहा है!

मेरे भाई को लग रहा है वो तुम्हारे साथ फ्लर्ट कर रहा है.
हा हा! सोच रही हूँ उसे कितना वक्त लगेगा पता चलने में की वो मेरी माँ है.

हम खिड़की जल्दी से जल्दी बदलवा देंगे जैसे ही हमें पैसे मलेनेगे शनिवार को.
मुझे पता है, मुझे भरोसा है तुमपे

तरुन, ये अशोक के चाचा है. मैं सबके लिए चाय बनाती हूँ कुछ कपडे पहनने के बाद.

ओह्ह! क्या क्रेजी सुबह है...

आपको कपड़ो पे इतनी मेहनत नहीं करनी चाहिए, भाभी!
तरुन!

कपडे बस बिच में आएंगे, भाभी!
क्या तुम्हे किसी ने देखा?

आपके चाचा जी अपनी क्रिकेट की कहानियाँ सुनाते सो गए...
MMM..

और मेरा भाई अभी तक तुम्हारी माँ के साथ खेल रहा है.
MMM

हमें सच में नहीं करना चाहिए।
घर में बहुत लोग है...
MMMM

लेकिन जबकि वो बिन बुलाये मेहमान है...

मुझे लगता है मैं तुम्हारा अच्छे से स्वागत कर सकती हूँ अकेले में.

मेरा दरवाजा
खुल्ला है...

बहुत गीली...
बिलकुल परफेक्ट,
भाभी.
SPLURCH

तुम्हारे गहरायी तक
लंड डालने के लिए
काफी चिकनी है...

AHHH
तुम्हारे टांगो के बिच के
उस तगड़े बल्ले के साथ...

आअह्ह... मुझे अपनी मर्दानगी से कंटोरल करो!
FOC
FOC
FOC

FOC
FOC
FOC
FOC
FOC

तुम जवानी से भरे हुए हो, जैसे सोडा पॉप और मिठाई...
MMMM

तुम इतनी टाइट महसूस होती हो एक वर्जिन की तरह.
TOC
TOC
TOC

क्या तुम इन्हे मेरी टाइट चुत में खाली करने वाले हो?

तुम मेरा पानी मेरे अंदर से निचोड़ रही हो!
FOC
FOC

अरे, तुम्हे तो मुझे घोड़ी बना दिया है, तरुन!
TOC
TOC
TOC

धीरे धीरे चलना, वरुण.
मेरे पास मेरा अपना
कमरा है.

सीढ़ियों के ऊपर है...
SHHH..

आपकी बेटी
का क्या?

उसका क्या? उसने जवान लंड मुझसे ज्यादा अभी हाल ही में देखा है!

LICK

MMMM..
वाह...

आप इसमें बहुत ही अच्छी हैं.
GUK
GUK
GUK

लंड चूसना ऐसी चीज है
जो कोई कभी नहीं भूलता.

लोग कहते है पका हुआ फल सबसे ज्यादा मीठा होता है.
इतनी उम्र होने के बाद भी आप बहुत ही गजब की लगती हो, मैडम... मेरा मतलब मालकिन मेनका!

तो बस चढ़ जाओ और इस खेल को
शुरू करो इससे पहले की कोई
बिच में आ जाये!

मर्द अपनी पहली डेट
पे ऐसे नहीं करते थे!
LICK
LICK

और तुम्हे सच में बहुत अच्छे से करना आता है!
LICK
LICK

लड़के, क्या तुम इस रसीली चूत का मजा लेना चाहते हो?
किसी भी चीज से ज्यादा!

तो उस लंड को डालो
जहाँ इसे होना चाहिए...

और मेरी दुनिया
बना दो, वरुन.

क्या बकवास है. सबको कुछ मिल रहा है लेकिन मुझे...

सविता, मुझे चिंता हो रही है
मैं कुछ ही देर में आपके लिए चाय बना देती हुँ चाचा जी...

ये तुम्हारी माँ
के बारे में है––

क्या हुआ?
क्या बात है?
एक अजनबी आदमी.
उनके कमरे में.

क्या चुतियापा लेके आये हो तुम? बूढ्ढे!
बस उस मस्त नंगी गांड को फिर से देखना था.

मेरी माँ के ऊपर से हटो, बेशरम––
रुको, सविता!

ये उनका विचार था!
जैसे की मैं मान लुंगी, वरुन!

और क्यों नहीं!? क्या लगता है मैं एक आदमी को पटा नहीं सकती?
लेकिन आप नहीं करोगे... क्या आप?

ऐसा तुम्हे लगता है! अब
मैं फिर से आजाद हूँ, मैं अपने जीवन में
चुदाई का मजा ले रही हूँ!

पर आप मेरी माँ हो!
ये बहुत ही गलत है––
मैं तुम्हे जज नहीं
कर रहा हूँ!

तो अपने काम से काम रखो और मुझे मेरे मजे करने दो!

ठीक है! आप एक बड़ी मतलबी औरत हो, तो मैं भी!
ल–लेकिन––

क्या तुम्हे एहसास है––
चुप करो और मेरी चूत को शांत करो!

जैसा सोचा था
वैसा नहीं हुआ!

वरुन, हमें अपना मजा फिर से शुरू करना होगा...
क्या मैं इन्हे बता दूँ मैं तरुन हूँ?

माँ को उस मस्त लंड पे बैठना है!

शायद मैं बताऊंगाँ...
लेकिन बाद में.

हम्म्मम, मेरी चूत तुम्हारे लंड को अच्छे से पहचान रही है, वरुन!
FOC
FOC

TOC
TOC
TOC
आप सच में वैसे ही कर रही है मिस मेनका!

तुम्हारे अखरोट मुझे बहुत पसंद है!
FOC
FOC
FOC

पूरा का पूरा
अंदर थोक दो!
TOC
TOC
TOC

देखते है
आपकी अनुभवी चूत
क्या सोचती है इसके
बारे में...

आह, फक, मुझे ये ही चाहिए था!
FOC
FOC
FOC

ले मेरा लंड, ले!
TOC
TOC
TOC

मैं फिर से एक औरत होना महसूस कर रही हूँ!
TOC
TOC
TOC

कभी ऐसा किया है?
तुमने मुझे जीत लिया है, लड़के!
FOC
FOC
FOC

मुझे सच में इसी की जरुरत है, तरुन
शिट... इसे सच में लगता है मैं तरुन हूँ!
FOC
FOC
FOC

मुझे भी,
सविता
TOC
TOC
TOC

LICK
तुम्हे किसे चोदने में ज्यादा मजा आता है...
FOC
FOC
FOC

मैं, या मेरा भाई?

बेशक तुम,
तरुन.

हा हा!!
TOC
TOC
TOC

तुम्हारे घर की औरतो को अच्छे से पता है चुदाई कैसे करते है--
औरतो?? हे भगवन, तुम.. गलत भाई हो!
SPURT
SPURT

वरुन सही था. आपकी चूत बिलकुल आपकी बेटी की तरह ही टाइट है.
वरुन?? तुम्हारा मतलब तुम.. दूसरे जुड़वाँ??
SPURT
SPURT

दो सविता के साथ चुदाई--
वो कहते है ना, एक के साथ चुदाई करने से ज्यादा मजा दो के साथ है!

शुक्रिया, भाभियों. हम उस खिड़की को जल्दी ही ठीक करवा देंगे.

मुझे लगता है इस सीक्रेट को
माँ/बेटी के भरोसे की जरुरत है!
THE END